बढ़ी चीनी की मिठास, मार्च तक 82% उछले शुगर स्टॉक्स

मौसम प्रतिकूल रहने से इंडिया, ब्राजील, थाइलैंड सहित कई देशों में चीनी उत्पादन कमजोर रहने की आशंका

[चिरंजीवी सी | ETMarkets.com]

इस कैलेंडर ईयर के शुरू में शेयर बाजार जब ग्लोबल फैक्टर्स के चलते दबाव में था, तो उन्हीं दिनों शुगर स्टॉक्स में टर्नअराउंड की कहानी लिखी जा रही है। साल के पहले तीन महीनों में शुगर कंपनियों के शेयरों में 82 पर्सेंट का उछाल आया। ऐसा ग्लोबल शुगर प्रॉडक्शन घटने और चीनी की वैश्विक कीमतें बढ़ने के कारण हुआ।

कई लोगों ने इस रैली को थोड़े वक्त की घटना मानकर नजरंदाज किया होगा, लेकिन निर्मल बांग सिक्योरिटीज के मेहराबून ईरानी की राय अलग है। उन्होंने कहा, 'मेरा निजी तौर पर मानना है कि आपके पोर्टफोलियो का 4-5 पर्सेंट हिस्सा शुगर स्टॉक्स का होना चाहिए। मेरा मानना है कि शुगर के लिए तेजी का साइकल शुरू हो चुका है।'

उन्होंने कहा, 'शुगर के मामले में अगर आप लोगों से पूछें जो ज्यादातर लोग कहेंगे कि पता नहीं रैली कब तक चलेगी। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में पहली बार शायद हमारे सामने शुगर का नया साइकल आने वाला है।' अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चीनी के दाम में उछाल आ चुका है क्योंकि इंटरनेशनल शुगर ऑर्गनाइजेशन ने ग्लोबल सप्लाई में कमी बढ़ने की घोषणा कर दी है।

इधर भारत में घरेलू उत्पादन अक्टूबर में शुरू होने वाले सीजन के लिए मार्च तक 4.43 पर्सेंट कम था। इस सीजन में मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के चलते वैश्विक स्तर पर भी ब्राजील, थाईलैंड और यूरोप में उत्पादन कमजोर रहा है। ऐसे हालात में शिकागो के इंटरनेशनल फ्यूचर्स मार्केट में शुगर प्राइसेज 17 महीनों के हाई पर चले गए।

ईरानी ने कहा, 'मेरा मानना है कि अगले एक साल में इंडिया में शुगर प्रॉडक्शन घटने वाला है। इस तरह से शुगर सेक्टर के लिए साइकल बदल चुका है। शेयर चढ़ चुके हैं और उनमें अभी और तेजी आ सकती है।' पिछले दो सप्ताहों में हालात कुछ बदले हैं। मौसम की स्थितियों में सुधार आने और रियाल में गिरावट के कारण ब्राजील में उत्पादन बढ़ाने की कोशिशों में तेजी आई है। एंजेल ब्रोकिंग के फंड मैनेजर मयूरेश जोशी ने कहा, 'ब्राजील में जिस तरह की बाधाएं दिखी हैं, उससे सप्लाई कमजोर रहने की आशंका बढ़ी है। भारतीय संदर्भ में भी देखें तो उत्पादन कमजोर रह सकता है।' उन्होंने कहा, 'शुगर साइकल दो साल के ऑन-ऑफ साइकल में चलती है। ऑन-साइकल शुगर इंडस्ट्री के लिए पॉजिटिव साइकल होती है और अगर किसी को ऑन-साइकल आगामी पेराई सीजन से शुरू होने की उम्मीद है, तो शुगर के लिए एंड-रियलाइजेशन प्राइसेज में किसी भी ठीकठाक बढ़ोतरी से निश्चित तौर पर शुगर कंपनियों की बैलेंस शीट सुधरेगी।'

चाय में बढ़ी मिठास

- **भारत में** घरेलू उत्पादन अक्टूबर में शुरू होने वाले सीजन के लिए मार्च तक 4.43 पर्सेंट कम था
- **चीनी के** दाम में उछाल आ चुका है क्योंकि इंटरनेशनल शुगर ऑर्गनाइजेशन ने ग्लोबल सप्लाई में कमी बढ़ने की घोषणा कर दी है

The Economic Times - (Hindi.)
21-4-16.